

आर्या समाज

122

ARYA ARCHIVES

७

इति माध्याह्निकं मन्त्रं कालं ॥ ० ॥ वाचं वृक्षं च मन्त्रं च
नमस्य रुद्रा नमो देवा नमो रुद्रा नमो रुद्रा नमो रुद्रा नमो रुद्रा
॥ देव्या रुद्रा नमो देवा नमो रुद्रा नमो रुद्रा नमो रुद्रा नमो रुद्रा
कर्तुं नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा
मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं ॥ ० ॥ मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं ॥ ० ॥

हिमं च युगं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं ॥ ० ॥ मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं ॥ ० ॥
नामो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा
॥ मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं
कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं
नामो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा नमो देवा
॥ मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं मन्त्रं कालं

श्री

वलयातालत्वादि २ गङ्गा २ वलिह २ गुप्त २ सर्वं महा रेव वाय स्वा
हा ॥ वगुदस गङ्गा स्या न न मनु न वलिंद या म यु मिदि न सर्व सि
धार्थ ॥ उं मां मे नं दं मा न य क य या वा य दं व क र १॥ अ न न न का ३
मनु ॥ उं ध न नी ध न र दं दं दं अ म क स्या न कां कु ने स्वा हा ॥
य न म न का ॥ उं क्रीं क्रीं क्रीं मे क लाल वि क लाल महा कं का ल

जा ग्य स्व न सर्व वि प्र वि ना य का य स्वा हा ॥ वा द म रु द स्या ॥ उं
श्रीं किं गङ्गा वलिंदं रुट म ध मां स य य ध य न क या ता ले अ य
ना ग द व क क वा क स गङ्गा ० द व लि द्वा हा हा दं स्वा दि २ ख र दं
ऊ रू रू म हा य रू जा हा स २ ग क य २ र क य २ क रू व ध रू य दं
दं रू द स्वा हा ॥ य मि दि न ना नी व लिं दा ग यी मा य क स्व दि क य

मदिनामांसः न कथं पृथक् च कविं सति दिवस्य गुरु गुरु व कथ
यि यति ॥ मास्य नमि द्विद दानिः वेव केन यदि द्वि नित्ये नो
मि ॥ ॐ क्रीं क्रीं क्रीं रुद्र ॥ अनेन मनु बा ऊन ४ ॥ उच्चा नित्ये मास्य न ४
सर्वया यानि यति क्रयं गद गि सदा ऊ फन सर्व सिध गि ह
नया नयः सफ ऊ यत्वा व असाधयत् ॥ ध्रुवं गुरु र्ग ऊ यत्वा

मो प्रस्य मानयति ॥ नरुन नाजा यवश्च नरुन सर्वद वडा का
ध्रुवं सानि वरुः आत्य यति वन वरुः ना वा कथा व अमनु
॥ ॐ न हो काल क्रीं क्रीं रुद्र स्था हा ॥ साधन मनु ॥ ॐ म हान नंद
॥ ॐ न हो काल क्रीं क्रीं रुद्र स्था हा ॥ साधन मनु ॥ ॐ म हान नंद
॥ ॐ न हो काल क्रीं क्रीं रुद्र स्था हा ॥ साधन मनु ॥ ॐ म हान नंद
॥ ॐ न हो काल क्रीं क्रीं रुद्र स्था हा ॥ साधन मनु ॥ ॐ म हान नंद

निर्दंष्ट्री स्वाहा ॥ वन्दे स्वामिनाम ॥ उला ककुलि स्य स्व निय
इन्द्र स्वाहा ॥ कलि स्य स्व नि स्या ॥ उमा मा ह स्व नि इन्द्र ॥
मा ह स्व नि स्या ॥ कालिक लालि श्रीं क्रीं इन्द्र स्वाहा ॥ कोलि ५
स्या ॥ उवाच य २ इन्द्र ॥ वशी क स्य ॥ उवाच मधुः दह शयव
२० देव लि ग २ इन्द्र इन्द्र स्वाहा ॥ देवा वलि मरु ॥ उं क्रीं

४४ इन्द्र स्वाहा ॥ उमा देव स्या ॥ उं मा ४ इन्द्र ॥ काय वा क विरु
विमान मरु ॥ ॥ उं क्रीं इन्द्र ॥ उवाच य २ इन्द्र
इन्द्र ॥ सर्व मान न स्या ॥ उं क्रीं हा ह म म क स्य उं वा त य इन्द्र
६ ॥ अनन नियु र्ग इन्द्र यत्ना म्भान र म्भान पुरुषी का क
लो र स्य दान गव य य म् उवाच य नि स क था ॥ उवाच न नः

नु॥ उं मं ऊं कं स ग रू म न स्या॥ उं ऊं ४ ऊं ह स्मि रू म य ऊं रु द
॥ मुख क ली गु ल न स य ध म नुं य य थ ह न य त ॥ ह स्ती रू
प्री रू न ॥ उं मं २ ह २ ह र्दि ण्ण धा त क रू म न ॥ मां मं न ह न य
न ॥ अ ल रू म न ॥ उं हा म ४ स र्व य स नी रू म य मा ह य ऊं
रू द ॥ व्या धु व र्मा नि स य वा नी य य थ ह न्या म हि वा ध ४

ह स्मि रू म न व्या ध रू ल का ४ रू म नं जा नि ध र्वे ण मू क स्य ऊं
रू द ॥ न व मू ल रू म न स्या॥ उं ऊं मं वं वा म ४ ह ४ प्री ऊं रु द ॥
ख ञ्ज दि रू म न स्या॥ उं म ह न न द ऊं रु द ॥ स य ध म धू नि रा वः
यि त्वा स र्य ह न य त ॥ स र्य रू म न ॥ उं मा हि न रू नि रू ह २
ह २ रू म नं शू क का व स्या॥ उं घं ऊं मी ॥ मा ह न स्या॥ उं ह ४ क

करुणवलिनिमूयसाधयमहाकालवृद्धानां सर्वसाधुयसाध
यगः महाहरे नवं चकसखंकुसुवर्णलवादनं कहीकयालका
नीविधीः अष्टनागविराविनी विकटदन्तचकदन्त डडकसं ४ १
रुयानकादिरुयानकैः घादभवर्षाकृति डडलिगैः नग्नैः
था सर्वगडं का नवीर्जुनस्मिमयंव अष्टरावनामकुंव

सर्वसनवाधिनस्य निविनियगवसूटिकधर्मधनं च म
नं ॥ • ॥ डं सखा ४ हरे वाय स्वाहा ॥ ॐ गीनामन ॥ डं
वड हरे वाय डं २ रु २ स्वाहा ॥ डं मे ४ डं त्वत्स्वादिस्वा
दिमात्रनं सर्वगवं मे हा हरे नवैय यष्टु स्वाहा ॥ • ॥
अनेन हृदयस्य ॥ • ॥ माहाकाल सर्वग ४ डं क

श्री

लालविकलालविकटस्वनमहाकंकालकिंघ्रीवंवंसंईई
ईमहानन्दस्वनस्यवावासाहा॥ ० ॥ अथकृष्णालोक
धयिष्यामि॥ यनाविष्णुयदसमावतत॥ यसममासुरवैग ८
था॥ पुथमनीलईकालीविर्वित्यनायेहायसनकावयः
न॥ वायदभनादिकंवहृदिईविर्वित्यकहिउतत्यनिग

वहृईकानाधिशिर्गं॥ उगलसकलयनिर्नम्यात्मानंकृष्णया
लद्विष्टुकर्हिकयालहसंयुत्थालिदयदस्मिर्नैककला
वाहनंईई॥ कोलनाददवीकईईनीलवर्णगीनिलो
वर्नयित्ताईकसंवायुवर्मावर्नजिनवसनं॥ वृधिवयिव
कंदयाजागिन्यासमावसितोहावयगु॥ ६६३ ॥

